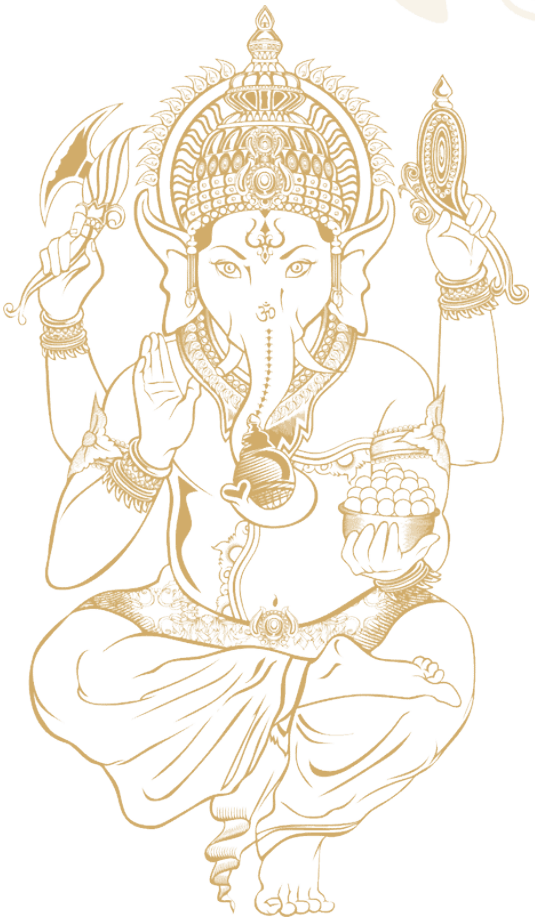

???

29 Mar 2001

08:10 AM

Gurgaon

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**29/03/2001**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**08:10:00 घंटे**
इष्ट	04:45:07 घटी
स्थान	**Gurgaon**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:27:00 उत्तर
रेखांश	77:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:48:04 घंटे
वेलान्तर	-00:04:47 घंटे
साम्पातिक काल	20:14:22 घंटे
सूर्योदय	06:15:57 घंटे
सूर्यास्त	18:37:59 घंटे
दिनमान	12:22:02 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	14:36:15 मीन
लग्न के अंश	21:21:40 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	प्रीति
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	इ-ईशा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	21:21:40	438:06:22	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			मीन	14:36:15	00:59:20	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			वृष	02:37:42	13:12:57	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
मंगल			वृश्चि	25:43:35	00:22:49	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	स्वराशि
बुध			कुंभ	22:40:21	01:32:45	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
गुरु			वृष	13:14:46	00:10:13	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र	व	अ	मीन	16:19:50	00:37:41	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	उच्च राशि
शनि			वृष	03:37:19	00:05:59	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	16:59:00	00:06:20	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	16:59:00	00:06:20	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	उच्च राशि
हर्ष			मक	29:29:47	00:02:41	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप			मक	14:24:45	00:01:21	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	21:22:32	00:00:22	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			मक	07:28:55	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:10

लग्न-चलित

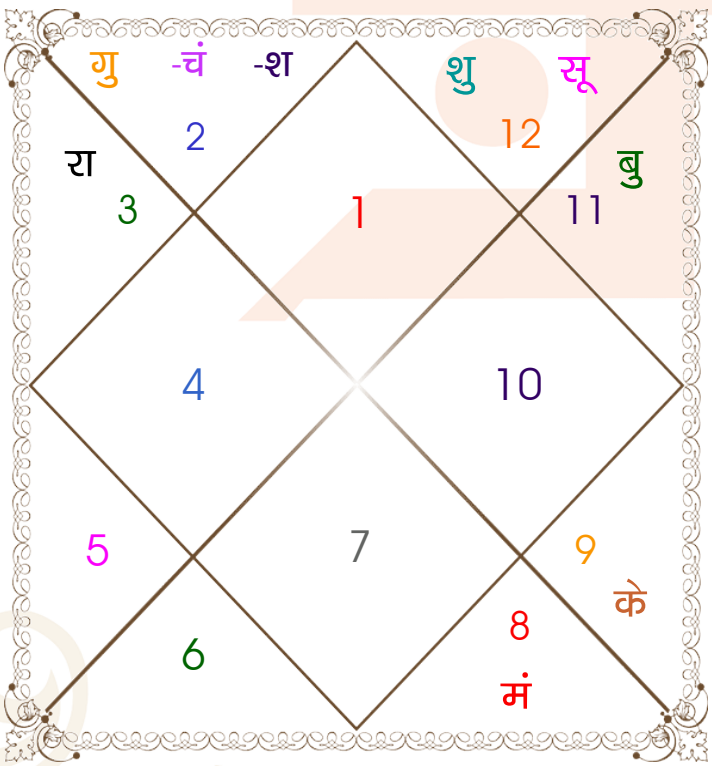

चन्द्र कुंडली

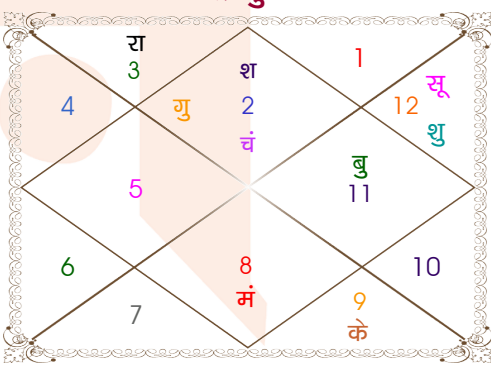

नवमांश कुंडली

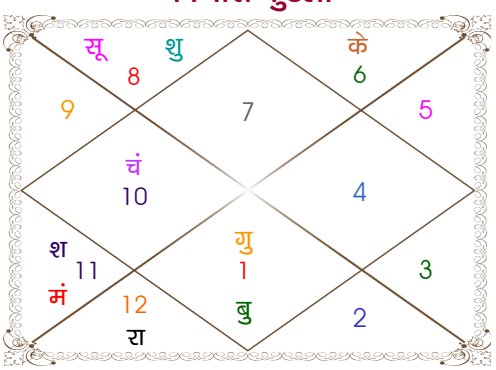

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 3 मास 24 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
29/03/2001		22/07/2004		23/07/2014		23/07/2021		23/07/2039	
22/07/2004		23/07/2014		23/07/2021		23/07/2039		23/07/2055	
	00/00/0000	चंद्र	23/05/2005	मंगल	19/12/2014	राहु	04/04/2024	गुरु	09/09/2041
	00/00/0000	मंगल	22/12/2005	राहु	07/01/2016	गुरु	28/08/2026	शनि	23/03/2044
	00/00/0000	राहु	23/06/2007	गुरु	12/12/2016	शनि	04/07/2029	बुध	29/06/2046
	29/03/2001	गुरु	22/10/2008	शनि	21/01/2018	बुध	22/01/2032	केतु	04/06/2047
गुरु	29/05/2001	शनि	23/05/2010	बुध	19/01/2019	केतु	08/02/2033	शुक्र	02/02/2050
शनि	11/05/2002	बुध	23/10/2011	केतु	17/06/2019	शुक्र	09/02/2036	सूर्य	22/11/2050
बुध	17/03/2003	केतु	23/05/2012	शुक्र	16/08/2020	सूर्य	03/01/2037	चंद्र	23/03/2052
केतु	23/07/2003	शुक्र	21/01/2014	सूर्य	22/12/2020	चंद्र	05/07/2038	मंगल	27/02/2053
शुक्र	22/07/2004	सूर्य	23/07/2014	चंद्र	23/07/2021	मंगल	23/07/2039	राहु	23/07/2055

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
23/07/2055		23/07/2074		23/07/2091		23/07/2098		24/07/2118	
23/07/2074		23/07/2091		23/07/2098		24/07/2118		00/00/0000	
शनि	26/07/2058	बुध	19/12/2076	केतु	19/12/2091	शुक्र	22/11/2101	सूर्य	11/11/2118
बुध	04/04/2061	केतु	16/12/2077	शुक्र	17/02/2093	सूर्य	23/11/2102	चंद्र	12/05/2119
केतु	14/05/2062	शुक्र	16/10/2080	सूर्य	25/06/2093	चंद्र	23/07/2104	मंगल	17/09/2119
शुक्र	14/07/2065	सूर्य	22/08/2081	चंद्र	24/01/2094	मंगल	23/09/2105	राहु	11/08/2120
सूर्य	26/06/2066	चंद्र	22/01/2083	मंगल	23/06/2094	राहु	22/09/2108	गुरु	30/03/2121
चंद्र	25/01/2068	मंगल	19/01/2084	राहु	11/07/2095	गुरु	24/05/2111		00/00/0000
मंगल	05/03/2069	राहु	07/08/2086	गुरु	16/06/2096	शनि	24/07/2114		00/00/0000
राहु	10/01/2072	गुरु	12/11/2088	शनि	26/07/2097	बुध	24/05/2117		00/00/0000
गुरु	23/07/2074	शनि	23/07/2091	बुध	23/07/2098	केतु	24/07/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 3 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगी। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगी। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकती हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने की संघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगी। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगी।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगी। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करती हैं। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आप एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगी तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगी। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपकी क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेती हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपनी संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगी। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आसक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगी। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन

संबंध का निर्वाह करेंगी वह संबंध किसी खास यौन रोग की उत्पत्ति का कारक होगा। अतः किसी पुरुष के साथ भ्रमण एवं सैर सपाटे में सावधानी रखें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य कष्टदायक हो सकता है।

आप शरीर से दुबली-पतली परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगी। आपका ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए। आप सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को पार करें।

आप सदैव ही अपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।